



ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 13 अंक 46

कुल पृष्ठ-8

26 जुलाई से 1 अगस्त, 2018

दयानन्दाब्द 194

सृष्टि सम्वत् 1960853119

सम्वत् 2075

सा.शु.-14

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा आर्य संन्यासी स्वामी अग्निवेश जी पर हुए प्राण घातक हमले के विरोध में विशाल धरना तथा प्रदर्शन कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने हेतु की गई माँग भारी बारिश के बावजूद विशाल संख्या में पहुँचकर आर्यों ने किया जोरदार प्रदर्शन

दिनांक 22 जुलाई, 2018 को सायं 3 से 5 बजे तक सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में पार्लियामेंट स्ट्रीट पर विशाल धरना तथा प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह विशाल प्रदर्शन प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आर्य संन्यासी स्वामी अग्निवेश जी पर झारखण्ड राज्य के पाकुड़ में हुए जानलेवा हमले के विरुद्ध किया गया था। इस जोरदार विरोध प्रदर्शन में सारे देश से आये आर्य प्रतिनिधियों तथा अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने स्वामी अग्निवेश जी पर हुए सुनियोजित प्राणघातक हमले की कड़ी निन्दा की। भारी संख्या में पधारे जनसमूह ने जन्तर-मन्तर से एक विरोध यात्रा निकाली जिसमें ओ३मध्वज, बैनर तथा बोर्डों को लिये हुए नारे लगाते हुए लोग चल रहे थे। दोषियों को सजा देने तथा मॉबलिविंग के विरुद्ध नारे लगाते हुए यह विरोध यात्रा पार्लियामेंट स्ट्रीट पर जाकर एक सभा में परिवर्तित हो गई।

इस सभा का कुशल संचालन सार्वदेशिक सभा के मंत्री प्रो. विठ्ठलराव आर्य ने किया तथा सह-संचालन सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के अध्यक्ष युवा आर्य नेता ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य ने किया।

इस अवसर पर इस जघन्य काण्ड का विरोध करते हुए सर्वधर्म संसद के अध्यक्ष श्री सुशील मुनि जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी पर सुनियोजित ढंग से किये गये इस हमले ने सरकार की नीतियों की पोल खोलकर रख दी है। स्वामी अग्निवेश जी देश के एक जाने-माने व्यक्तित्व हैं और दलितों, पिछड़े वर्गों तथा कमजोर तबके के व्यक्तियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं की देश में दिन-प्रतिदिन हो रही वृद्धि अत्यन्त चिन्तनीय है। इससे भाजपा सरकार का असली चरित्र जनता के सामने आ रहा है। उन्होंने दोषियों को अविलम्ब गिरफ्तार करके कड़ी सजा देने की माँग की।

प्रसिद्ध चिन्तक तथा वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक जी ने अपना रोष प्रकट करते हुए कहा कि एक वयोवृद्ध संन्यासी जिसने अपना सारा जीवन महर्षि दयानन्द जी के सिद्धान्तों के प्रचार-प्रसार में लगा दिया हो, जिसने

गरीब, दलित और समाज के अन्तिम व्यक्ति के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में कठिन परिश्रम किया हो और देश तथा विदेश में अनेकों प्रतिष्ठित सम्मानों से जिसे सम्मानित किया गया हो, ऐसे व्यक्ति पर सुनियोजित ढंग से प्राणघातक हमला किया जाना अत्यन्त निन्दनीय है। उन्होंने कहा कि किसी संन्यासी पर इस प्रकार का कभी हमला किया गया हो ऐसा मैंने अपने जीवन में कभी नहीं सुना। उन्होंने कहा कि मुझे शर्म आ रही है यह कहते हुए कि यह जघन्य कार्य उस

लोग नहीं हैं। उन्होंने आर्य जनता का आह्वान करते हुए कहा कि पाखण्ड के विरुद्ध सारे देश में प्रदर्शन होने चाहिए। हर जिले में पाखण्ड-खण्डनी पताका फहराई जानी चाहिए। डॉ. वैदिक जी ने कहा कि जो काम स्वामी दयानन्द जी ने किया था वही काम स्वामी अग्निवेश जी कर रहे हैं। हमें संगठित होकर उनका सहयोग करना चाहिए।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष पं. माया प्रकाश त्यागी जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी पर किया गया यह हमला केवल स्वामी जी पर हमला नहीं है, अपितु यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि आप किसी के विचारों को दबा नहीं सकते। स्वामी अग्निवेश जी ने सदा ही समाज के दबे कुचले लोगों के लिए काम किया है। विचारों में भिन्नता हो सकती है लेकिन इस प्रकार से मार-पीट करने का अधिकार आपको किसने दिया। उन्होंने भीड़तंत्र की हिंसक नीतियों की कड़ी भर्त्सना की।

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री स्वामी ओमवेश जी ने इस घटना के विरुद्ध कड़ा रोष प्रकट करते हुए कहा कि 80 वर्षीय निहत्थे संन्यासी पर भीड़ द्वारा हमला करवाकर यह कौन सी वीरता दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने हमेशा पीठ पीछे से वार किया है। उन्होंने आर्यों का आह्वान किया कि आर्य समाज में घुसे अनाथों को अविलम्ब बाहर का रास्ता दिखाना होगा। ये लोग आर्य समाज को बदनाम करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी पर किया गया यह हमला सीधे-सीधे आर्य समाज पर हमला है और हमें इसका प्रतिकार करना होगा।

इस अवसर पर महिला अधिकारों की लड़ाई लड़ रही बहन पदमिनी कुमार जी ने इस

वीभत्स घटना पर गहरा रोष प्रकट करते हुए कहा कि एक निहत्थे बुजुर्ग संन्यासी पर इकट्ठे होकर हमला करने वाले डरपोक तथा कायर लोग हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज में विभिन्न वर्गों में काम कर रहे लोगों पर दिन-प्रतिदिन हमले हो रहे हैं यह अत्यन्त चिन्ता की बात है। आज महिला सुरक्षित नहीं हैं। सरकार की विफलता की चर्चा करने वालों के साथ मारपीट हो रही है यह देश किस दिशा में जा रहा है।

अगले पृष्ठ पर जारी



**स्वामी अग्निवेश जी पर हुए
प्राणघातक हमले की
आर्य समाज घोर निन्दा करता है।**

दल के लोग कर रहे हैं जो अपने को राष्ट्रवादी तथा हिन्दुत्ववादी कहते हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने हिन्दुत्व को कलंकित किया है और हिन्दुत्व का इससे बड़ा अपमान कोई और नहीं हो सकता। श्री वैदिक जी ने कहा कि यह कार्य बड़े लोगों के इशारे पर किया गया है। दलितों, पिछड़ों और गरीबों के हक की आवाज उठाने वालों को आप डरा रहे हैं। इस प्रकार के कुकृत्य करके आप आवाज को दबाना चाहते हैं, उन्होंने कहा कि हम आर्य हैं और हम डरने वाले

सम्पादक - प्रो. विठ्ठलराव आर्य

पृष्ठ-1 का शेष

भारी बारिश के बावजूद विशाल संख्या में पहुँचकर आर्यों ने किया भव्य प्रदर्शन

यह हम सबको सोचना होगा। उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी पर हुए हमले के दोषियों पर कठोर कार्यवाही होनी चाहिए।

इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी श्रद्धानन्द जी ने इस घटना की कठोर शब्दों में निन्दा करते हुए कहा कि स्वामी अग्निवेश जी ने पाखण्ड के खिलाफ हमेशा आवाज उठाई है दुर्भाग्य से आज घोर पौराणिक लोगों की सरकार है। वो हमारी आवाज को दबाना चाहते हैं, उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से हम डरने वाले नहीं हैं। आर्य समाज का जन्म ही पाखण्ड को दूर करने और सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए हुआ है। आर्य समाज पूरी ताकत के साथ पाखण्ड का विरोध करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि आज जगह-जगह पर पाखण्ड साधु व्यभिचार करते पकड़े जा रहे हैं। वे धर्मभीरु जनता को डग रहे हैं, लूट रहे हैं, लेकिन यह सरकार उनके खिलाफ एक शब्द नहीं बोलती और जो संन्यासी पाखण्डियों का पर्दाफाश कर रहा है उस पर हमला करवाती है। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रकार के कृत्यों को अविलम्ब रोके, नहीं तो गम्भीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

बेटी बचाओ अभियान की संयोजक बहन प्रवेश आर्य जी ने भी स्वामी अग्निवेश जी के ऊपर पाकुड़, झारखण्ड में हुए हमले की घोर निन्दा करते हुए अपना रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि दोषियों को अविलम्ब गिरफ्तार नहीं किया गया और उन्हें कठोर सजा नहीं दी गई तो और बड़े स्तर पर पूरे देश में प्रदर्शन किये जायेंगे। बहन जी ने आर्यों से कहा कि जो लोग अपने नाम के आगे आर्य लिखते हैं यदि वे स्वामी दयानन्द जी के बताये हुए रास्ते पर चलते हैं तो ठीक है अन्यथा उन्हें अपने नाम के आगे आर्य लिखना बन्द कर देना चाहिए।

इस विशाल आयोजन के मुख्य संयोजक प्रो. विठ्ठलराव आर्य ने प्रसिद्ध समाजसेवी स्वामी अग्निवेश जी पर हुए प्राणघातक हमले की घोर निन्दा करते हुए कहा कि यह हमला एक सुनियोजित षड्यन्त्र के तहत किया हुआ लगता है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी वहाँ पर आदिवासियों की एक बहुत बड़ी सभा में बोलने के लिए जाने वाले थे। क्योंकि झारखण्ड की सरकार ने आदिवासियों की हजारों एकड़ भूमि बड़े उद्योगपति को आदिवासियों की इच्छा के विरुद्ध देने का



निर्णय किया है। स्वामी जी उन आदिवासियों के हक के लिए आवाज उठाने गये थे। उन्होंने अपने आने की सूचना राज्यपाल भवन तथा मुख्यमंत्री आवास को भी दी थी। इसके बाद भी उनके ऊपर इस प्रकार का हमला हो जाता है। जो स्पष्ट करता है कि इसमें प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि यह भी अत्यन्त आश्चर्यजनक है कि वहाँ के नगर विकास मंत्री श्री सी.पी. सिंह इस घटना पर दुःख व्यक्त करने के बजाय मीडिया में कहते हैं कि इस प्रकार की छोटी-मोटी घटनाएँ तो होती रहती हैं। प्रो. विठ्ठलराव जी ने कहा कि यह कोई छोटी-मोटी घटना नहीं है। स्वामी अग्निवेश जी पर हमला पूरे आर्य समाज और लोकतंत्र पर हमला है। आप विचारों को दबा नहीं सकते। उन्होंने सरकार से अविलम्ब नगर विकास मंत्री श्री सी.पी. सिंह जैसे गैर-जिम्मेदार व्यक्ति को बर्खास्त करने की माँग करते हुए दोषियों को कठोर से कठोर सजा देने की माँग की। उन्होंने मॉबलिंगिंग की घटनाओं पर तुरन्त रोक लगाने की माँग करते हुए कठोर कानून बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी के ऊपर प्राण घातक हमला करने वाली भीड़ ने मॉबलिंगिंग का उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह अत्यन्त निन्दनीय तथा समाज और देश को विभाजित करने वाली नीति है। उन्होंने कहा कि बिना किसी ताकतवर सपोर्ट के भीड़ द्वारा हमला करने का साहस कर पाना किसी के लिए सम्भव नहीं है। इससे स्पष्ट है कि प्रशासन ने जानबूझकर हमला करने वालों को छूट दे रखी थी। यदि प्रशासन चाहता तो इस घटना को रोका जा सकता था।

इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के प्रधान स्वामी रामवेश जी, दिल्ली पुरोहित सभा के पूर्व अध्यक्ष आचार्य अमरदेव जी, मानव सेवा प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामपाल शास्त्री जी, सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री स्वामी नित्यानन्द जी तथा श्री रामसिंह आर्य जी, नोएडा आर्य समाज की प्रधाना बहन गायत्री मीणा जी, महाराष्ट्र से पधारे श्री सुभाष निम्बालकर जी, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रणवीर एडवोकेट सहित अनेकों गमणमान्य महानुभावों ने इस अमानवीय घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कड़ी निन्दा की।

इस प्रदर्शन में वैदिक मण्डल के संगठनमंत्री स्वामी सोम्यानन्द जी, स्वामी योगानन्द जी, लोकशक्ति मंच हरियाणा के प्रधान श्री धर्मवीर सरपंच, बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान श्री रामानन्द प्रसाद जी, उपमंत्री श्री अरुण आर्य, स्वामी सम्यक क्रांतिवेश जी, श्री हरदेव आर्य शिवगंज, श्री चांदमल जी जोधपुर, श्री भंवर लाल आर्य राष्ट्रीय संयोजक आर्य वीरदल, श्री हरि सिंह आर्य, श्री मदन गोपाल, श्री जितेन्द्र आर्य, श्री शिवदत्त आर्य जालौर, श्री दलबीर आर्य, श्री जयवीर आर्य, रमेश आर्य (हिसार), आगरा से श्री रमाकान्त सारस्वत, डॉ. बलवीर आर्य, मास्टर सत्यवीर आर्य, डॉ. राजपाल आर्य, श्री विरेन्द्र लाठर विद्यासागर शास्त्री, श्री जसवन्त आर्य, श्री रामफल दहिया, श्री जोरा सिंह आर्य, आचार्य सोमदेव शास्त्री, श्री चन्द्रदेव शास्त्री, श्री वेद प्रकाश शास्त्री, श्री ऋषिपाल शास्त्री, श्री रामपाल शास्त्री-नरेला, श्री भानू सिंह, श्री तोताराम, स्वामी विजयवेश जी, श्री मायाराम, श्री बाबूलाल जूई, श्री महेन्द्र आर्य-जूई, गुरुकुल गोमत, अलीगढ़ तथा गुरुकुल गौतमनगर के ब्रह्मचारी भारी संख्या में उपस्थित थे, फरीदाबाद से भारी संख्या में महिलाएँ एवं पुरुष प्रदर्शन में उपस्थित हुए।

इस आयोजन का कुशल संचालन कर रहे ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य जी ने जयघोषों तथा गगनभेदी नारों से लोगों का उत्साह बढ़ाया तथा सरकार तक अपनी बात पहुँचाने का सफल प्रयास किया। प्रदर्शन तथा जनसभा के उपरान्त प्रो. विठ्ठलराव आर्य के नेतृत्व में पं. माया प्रकाश त्यागी जी, स्वामी ओमवेश जी तथा श्री रामसिंह आर्य जी ने राष्ट्रपति जी को ज्ञापन भी सौंपा। प्रदर्शन अत्यन्त सफल रहा।

स्वामी अग्निवेश जी पर हुए प्राणघातक हमले के विरोध में

संसद मार्ग थाने के सामने सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में धरना प्रदर्शन की चित्रमय झलकियाँ



अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के चित्रमय संस्मरण



अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के चित्रमय संस्मरण



अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के चित्रमय संस्मरण



अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के चित्रमय संस्मरण





प्रभु की शरण में यश और सुख

ऋषिः— भारद्वाजो बार्हस्पत्यः ।। देवता—अग्निः ।। छन्दः—निचृत्तिष्टुप् ।।

पदं देवस्य नमसा व्यन्तः श्रवस्यवः श्रव आपन् अमृक्तम् ।
नामानि चित् दधिरे यज्ञियानि भद्रायां ते रणयन्त सन्दृष्टौ ।।

— ऋ. ६/१/४

विनयः— हे देव! हमने तुम्हारे पद के, तुम्हारे प्राप्तव्य—स्वरूप के, तुम्हारे चरणों के दर्शन पाये हैं, तुम्हें बार-बार नमस्कार करते हुए, तुम्हारी स्तुति करते हुए, तुम्हारे आगे झुकते हुए, भक्तिभाव से आत्म-समर्पण करते हुए ही हमें तुम्हारे दुर्लभ पद के दर्शन मिले हैं। यह सब तुम्हारी भक्ति की महिमा है। इसके पाने की इच्छा भी तृप्त हो गई है। तुम्हारी कृपा से ऐसा यश मिला है कि जो कि मृदित नहीं हो सकता। बाहर के मनुष्यों से मिलने वाला यश तो उनके अधीन होता है, वह मृदित होता रहता है, परन्तु तुम्हारे पद-दर्शन से जो अन्दर का यश मिला है वह अक्षय है, उसे पाकर अब मुझे किसी वाह्य यश की आकांक्षा नहीं रही है। तेरे सेवकों को संसार में सज्जन पुरुषों द्वारा भी बहुत सा यश मिला करता है, पर वह भी तुझ द्वारा मिले इस आन्तर यश की ही छाया होती है। हे अग्निदेव! तेरी भक्ति ने मुझे उबार दिया है तेरी भक्ति का तो इतना प्रताप है कि यदि कोई तेरे यज्ञार्ह (यज्ञ में उच्चारणीय) पवित्र पुण्य नामों को ही केवल धारण करे, उन्हें वाणी से बोलता हुआ भक्ति से हृदय में गुंजाता रहे, तो इस नाम-जपन, नाम-धारण से ही उसका अन्तःकरण इतना शुद्ध हो जाएगा कि उस पर तुम्हारी कल्याणमयी

दृष्टि हो जाएगी। तुम्हारी कल्याणमयी दृष्टि में रहता हुआ वह सुख से आगे बढ़ता जाएगा, उसके व्याधि, स्त्यान आदि विघ्न हरण होते जाएंगे, वह निर्विघ्न सुख से उन्नत होता जाएगा।

तो क्या, हे अग्ने! हम तेरे पवित्र नामों को भी धारण न कर सकेंगे? यह तो कम से

कम है जो हमें तुम्हारी ओर पहुँचने के लिए करना चाहिए। हमें तो तुम्हारे प्रेम के मार्ग में अन्त तक जाना है और एक दिन यह कह सकने का योग्य होना है "हमने तेरे पद के दर्शन पा लिए हैं और अनश्वर यश के भागी हो गये हैं।"

शब्दार्थः— श्रवस्यवः= यश की इच्छावाले हमने देवस्य=तुझदेव के पदम्=प्राप्तव्य स्वरूप को नमसा व्यन्तः=नमस्कार द्वारा देखते हुए अमृक्तम्=नृदित होने वाले श्रवः=यश को आपन्=प्राप्त किया है। जो लोग यज्ञियानि=यज्ञार्ह नामानि चित्=नामों को ही दधिरे=धारण करते हैं वे भी ते भद्रायां सन्दृष्टौ=तेरी कल्याणमयी दृष्टि में रणयन्त=रहते हुए सुख पाते हैं।।

**साभार- 'वैदिक विनय' से
आचार्य अभयदेव विद्यालंकार**

**महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत
यजुर्वेद भाष्य
भारी छूट पर उपलब्ध
250 रुपये मूल्य का यजुर्वेद भाष्य**

**मात्र 150 रुपये में दिया जा रहा है
(डाक व्यय अतिरिक्त)**

(जल्दी करें ग्रन्थ सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है)

प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-2

स्वामी अग्निवेश पर हमला : कुछ तो मुंह खोलें

— डा. वेदप्रताप वैदिक



स्वामी अग्निवेशजी के साथ झारखंड के एक जिले में भीड़ ने जो व्यवहार किया है, वह इतना शर्मनाक और वहशियाना है कि उसकी भर्त्सना के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक संन्यासी पर आप जानलेवा हमला कर रहे हैं और 'जय श्रीराम' का नारा लगा रहे हैं। आप श्री राम को शर्मिदा कर रहे हैं। आपको

राम देख लेते तो अपना माथा ठोक लेते। आप खुद को रावण की औलाद सिद्ध कर रहे हैं। आप अपने आपको हिंदुत्व का सिपाही कहते हैं। अपने आचरण से आप हिंदुत्व को बदनाम कर रहे हैं। क्या हिंदुत्व का अर्थ कायरपन है? इससे बढ़कर कायरता क्या होगी कि एक 80 साल के निहत्थे संन्यासी पर कोई भीड़ टूट पड़े? उसे डंडे और

पत्थरों से मारे? उसके कपड़े फाड़ डाले, उसकी पगड़ी खोल दे, उसे जमीन पर पटक दे? स्वामी अग्निवेश पिछले 50 साल से मेरे अभिन्न मित्र हैं, संन्यासी बनने के पहले से! वे तेलुगुभाषी परिवार की संतान हैं और हिंदी के कट्टर समर्थक हैं। महर्षि दयानन्द के वे अनन्य भक्त हैं और कट्टर आर्यसमाजी हैं। वे संन्यास लेने के पहले कलकत्ते में प्रोफेसर थे। वे एक अत्यंत सम्पन्न और सुशिक्षित परिवार के बेटे होने के बावजूद संन्यासी बने। उन्हें पाकिस्तान का एजेंट कहना कितनी बड़ी मूर्खता है। उन्हें गोमांस-भक्षण का समर्थक कहना किसी पाप से कम नहीं है। उन्होंने और मैंने हजारों आदिवासियों, ईसाइयों और मुसलमान मित्रों का मांसाहार छुड़वाया है। उन्हें ईसाई मिशनरियों का एजेंट कहनेवालों को पता नहीं है कि अकेले आर्यसमाज ने इन धर्मांध विदेशी मिशनरियों को भारत से खदेड़ा है। अग्निवेशजी पर हमला करने के पहले उन पर ये सब आरोप लगाना पहले दर्जे की धूर्तता है। अग्निवेशजी ने जिस शिष्टता से उन हमलावर प्रदर्शनकारियों को अंदर बुलाया, उसका जैसा जवाब उन्होंने दिया है, वह जंगली

जानवरपन से कम नहीं है। स्वामी अग्निवेशजी के कुछ विचारों और कामों से मैं भी सहमत नहीं होता हूँ। उनकी आलोचना भी करता हूँ। लेकिन उनके साथ इस तरह का जानवरपन करने का अधिकार किसी को भी नहीं है। ये हमलावर यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा से संबंधित हैं तो मैं मोहन भागवतजी और अमित शाह से कहूंगा कि वे इन्हें तुरंत अपने संगठनों से निकाल बाहर करें और इन्हें कठोरतम सजा दिलवाएं। इस तरह के लोगों के खिलाफ कठोर कानून बनाने की सलाह कल ही सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार को दी है लेकिन सरकार का हाल किसे पता नहीं है। वह किंकरतव्यविमूढ़ है। उसे पता ही नहीं है कि उसे क्या करना चाहिए। देश में भीड़ द्वारा हत्या की कितनी घटनाएं हो रही हैं लेकिन दिन-रात भाषण झाड़नेवाले हमारे प्रचारमंत्रीजी इस मुद्दे पर अपना मुंह खोलने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाते। यदि सर संघचालक मोहन भागवत भी चुप रहेंगे तो राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के बारे में जो शशि थरुर ने कहा है, वह सच होने में देर नहीं लगेगी।

Language, Literature and Researches

The literature of the world languages opens the secret and gives us the historical knowledge as to how it has got the importance to uplift the criteria of thoughts so to say the standard of life. It is always in progressive term. As a matter of fact a language and literature go hand in hand marking the ideal personality of a nation. Let us review the national language of china, Italy, England, Germany and India etc. Language speaks the ideas, feelings in many forms such as song, dialogue, story, fun etc.

India (Bharat) is unique with regard to the language. Our origin is from the Sanskrit language. We have our four Vedas, about eleven Upnishads and other volumes like the Ramayan and the Mahabharat. Manusmriti deals with the law and order. All are in Sanskrit. Now-a-days the Hindi language has taken place of the Sanskrit. It is widely spoken and has remarkable position enriched with the different faceted literary volumes. It is the National Language of India supported by many dialects or regional languages.

I was just talking about the place and effect of the Sanskrit on the reader's mind and heart. It is the language of gods such as divine language. Max Muller, the German writer and translator of the Vedas once had written - "The Rigveda is the oldest book in the library of mankind." He had learnt the Sanskrit before he announced his statement. Though he was not so competent in Sanskrit but able to act and show his example to inspire others. He had his complete regard for Sanskrit.

Second importance of speaking in Sanskrit especially chanting mantras of the Vedas, renders a cosmo-Effect correcting all the vibrations in control and puts our life longer. The science of breath will help in this direction.

Vishva Yoga Divas has opened our eyes. Yoga learning is going to be popular. But originally we have to learn the Sanskrit language. What we have to achieve is to achieve through Direct method. For instance, when a Spanish Lady came to India with a wish to learn Indian Architecture, she felt that she must learn the Sanskrit language first and she joined the Institute of Sanskrit Bharti at Bangalore. There she stayed and learnt Sanskrit and then produced her first Essay on Indian Architecture.

This shows her bent of mind and strong will. So is the case with another student who liked to study Shilp Shastra or Aurvedic Science. Let us introduce the Book 'Sanskara Vidhi', written by Maharishi Dayanand who recommended the course in the Gurukul:-

Mahrishi writes, "Students (in the late stage of Education) should be taught the upveda of Atharva Veda, which we call Shilpshastra (within six years' span) the volumes written by Vishva Karma, Twashta and Maya and finish the different channels of study within six years' span, the students will have to go to the branches of knowledge as Aeronautics, Telegram, Siesmograph etc.

And luckily these are the chapters in Sanskrit, which is a life full and darling language of Gurukul Institutes. Shall we follow Mahrishi Dayanand who Introduced the

subject of architecture and other Shilp too?

Now, the modern science has proved the Sanskrit language on computer as a better language than others. So to say Sanskrit or Hindi Language is a befitting and competent one being tested on the Computer science's Application.

In many areas of scientific Researches we have to guide the scholars who work in the fields of Brahma Vijyan, Aushadhi Vijyan, Varun Vijyan, Vrishti Vijyan etc.

Four Upvedas from four Vedas as under :-

1. Rigveda's Upveda - Medical Sc. (Aurveda)
2. Yajur Veda's Upveda - Dhanur Veda (Military Sc.)
3. Sam Veda's Upveda - Gandharva Veda (Music Sc.)
4. Atharva Veda's Upveda - Shilp Veda

All the upvedas were developed from time to time and commentaries by Rishis and scholars were prepared. The Research work is on and on to give us a phase of culture & civilization. The technological know-how is a researchful report in the context of computing world enriched with the Sanskrit language which stands first to highlight the science. We are already innovator of zero in the field of maths, science and Technology.

अग्नेऽअङ्गिरः शतं ते सन्त्वावृतः सहस्रं तदुपावृतः ।

अथा पोषस्य पोषेण पुनर्नो नष्टमकृधि पुनर्नो

रयिमाकृधि ।। यजु. 12वें अध्याय / आठवां मंत्र

Bhavarth (Gist) by Maharishi Dayanand :-

"मनुष्यों को योग्य है कि विद्याओं में सैकड़ों आवृत्ति और शिल्प विद्याओं में हजार प्रकार की प्रवृत्ति से विद्याओं का प्रकाश करके सब प्राणियों के लिए लक्ष्मी और सुख उत्पन्न करें।"

— B.R. Sharma Vibhakar

52/2, Lal Ql., GZB, Mo.-9350451497

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें



आर्य युवा सन्यासी व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
www-facebook-com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें व अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।

ई-मेल : aryavesh@gmail.com

Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :-

अविवरण की दशा में लौटाएँ -
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002

प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा आर्य संन्यासी

स्वामी अग्निवेश जी पर हुए प्राण घातक हमले का पूरे देश में हो रहा है जबरदस्त विरोध

स्वामी अग्निवेश हमला कांड से नाराज आर्य समाजियों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

स्वामी अग्निवेश पर हमले की निंदा



ह्यूमन इंडिया/अजय प्रताप सिंह पलवल्लु। वैदिक धर्म प्रचारिणी सभा के सत्वावधान में आर्य सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से आर्य नेता व सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश पर हुए प्राणघातक हमला के विरोध में देवीलाल पार्क में धरना दिया गया। जिसकी अध्यक्षता बसोबुद्ध आर्य नेता बी०के०आर्य ने की। इस अवसर पर वैदिक धर्म प्रचारिणी सभा के प्रबन्ध महात्मा ब्रह्मानन्द सरस्वती ने कहा पाकूड झारखंड में स्वामी अग्निवेश पर

गुण्डों द्वारा किया गया हमला असंवेधानिक व तानाशाही का द्योतक है आर्य समाज इस हमले को निन्दा करता है। उन्होंने बताया कि स्वामी अग्निवेश द्वारा पाण्डुराज के विरुद्ध चलाये गये अभियान पर परेशान युवा मोर्चा के गुण्डों द्वारा स्वामी जी पर हमला किया गया। महात्मा ब्रह्मानन्द सरस्वती ने घोषणा पूर्वक कहा कि आर्य समाज का पंथइबाद और धार्मिक अन्धविश्वास के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। इस अभियान को कोई नेता, पार्टी और

सरकार रोक नहीं पायेगी। उन्होंने बताया कि आर्य समाज की ओर से चटना स्थल पाकूड में राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन किया जायेगा। प्रदर्शन कार्यक्रमों द्वारा सीटी मैजिस्ट्रेट की प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया जिस में स्वामी अग्निवेश पर हुए हमले की न्यायिक जांच करने तथा हमलावरों को कठोर दण्ड देने की मांग की गई। धरना व प्रदर्शन में जयप्रकाश आर्य, प्रदीप सरस्वती, राजपाल सिंह, तुलाराम आर्य, नारायणसिंह आर्य, महाशय

खेमसिंह, ज्ञानचन्द शर्मा, चन्दरलाल आर्य, कबर रमेशकुमार, इन्दरदेव तेलिया, सुमेरसिंह चौहान, दयालुमुनि, रमेशचंद आर्य, ओमप्रकाश आर्य, भजनलाल आर्य, धर्मेन्द्र धर्मा, नारायणसिंह रावत, कर्मवीर आर्य, मदनमोहन आर्य, विनयपाल आर्य, अश्विन आर्य, गिरधारी आर्य, विक्रमसिंह आर्य, नरेश विशाल, गिरधारीलाल, अर्ध्याय राजेशकुमार, जगराम तंवर, रणवीरसिंह आर्य आदि आर्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

लोक उप जिला काल्हाली आर्य समाज प्रधान अचलेश्वर आर्य के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। आर्य ने बताया कि एक 80 वर्ष के बुढ़ भगवा वस्त्र धारी सभाजियों के साथ जिस प्रकार के कठोरतापूर्वक स्पष्ट अदस्त हुए लाली और जूती से हमला किया यह नितान्त अमानवीय एवं अराजकता की पराकाष्ठा है। जबकि स्वामी अग्निवेश पाकूड में आदिवासियों की एक सभा को संबोधित करने गए थे।

विरोध करने वालों से बैठकर बात करने की भी तैयार थे। इससे दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि जिस दिन उच्चातम अपराधियों को तुरंत विरफ्तारी कर कठोर दंड देने की मांग की है। बाभाराम आर्य, गणपतलाल, मांगीलाल, गोविन्दराय पारहार, राजेन्द्र, किरण, सुजाराय, अशोक, सुरेश, दिगीप, सुरेन्द्र, बाबूलाल, लुण्ठन, सुरेन्द्र सहित आर्य समाज एवं आर्य धर्म के ही युवाओं ने किया।

स्वामों से मारपीट कर पुलिस के सामने खुलेआम घूमते रहे



पाकूड। पाकूड में मंगलवार दोपहर 1.30 बजे स्वामी अग्निवेश के साथ मारपीट करने के बाद भाजयुमो के नेता पुलिस के सामने ही खुलेआम घूमते रहे। पुलिस उनके पीछे-पीछे थी, लेकिन किसी को गिरफ्तार न कर सकी। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने दावा किया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है।



झारखंड में पेसा कानून लागू कर आदिवासियों की स्वशासन व्यवस्था लागू की जाए: स्वामी अग्निवेश

पाकूड। स्वामी अग्निवेश ने कहा कि झारखंड के 13 जिलों और आंशिक रूप से दो जिलों में पेसा कानून लागू कर आदिवासियों की स्वशासन व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही इन जिलों में न लोकसभा और न विधानसभा, बल्कि सिर्फ ग्रामसभा की अधिकार संपन्न बनाया जाए, ताकि आदिवासियों को और भी सशक्त बनाया जा सके। वे मंगलवार को होटल मुस्कान पैलेस में मीडिया से बात कर रहे थे। वे जिले के लिट्टीपाड़ा में पहाड़िया समुदाय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पाकूड आए थे।



पथलगाड़ी का किया समर्थन, नवसली हिंसा की निंदा की आदिवासियों की आवाज दबा रही सरकार : उन्होंने कहा कि 1996 में संसद से पारित पेसा एक्ट को सरकार लागू न कर पाकूड का उत्प्रेषण कर रही है। सरकारें आदिवासियों के अधिकारों का हनन कर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उनकी आवाज को दबा रही है। आदिवासियों द्वारा अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए की जा रही पथलगाड़ी का समर्थन किया। परंतु, पथलगाड़ी के काम पर समूहिक दुर्व्यवस्था की कड़ी निंदा की। आदिवासी अधिकारों के काम पर नवसली हिंसा की भी उन्होंने कड़ी निंदा की।

» राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन स्वामी अग्निवेश के साथ हुई मारपीट का विरोध



» आर्य समाज व आर्य वीर दल ने निकाली रैली

खोज खबर @ जोधपुर। आर्य समाज जोधपुर द्वारा समाजसेवी स्वामी अग्निवेश के साथ झारखंड में हुई मारपीट के विरोध में बुधवार को रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन करियों ने घटना की न्यायिक जांच करने की मांग की। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के उपमंडी रामसिंह आर्य की अगुवाई में रैली महावीर उद्यान से रवाना हुई। स्वामी अग्निवेश समर्थन के नारे लगाते हुए युवा कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। यहां सभा

को संबोधित करते हुए रामसिंह आर्य ने कहा कि बसोबुद्ध मुक्ति मोर्चा अभियान, सती प्रथा विरोध, दलित मंदिर प्रवेश, कन्या धूप हत्या विरोध जैसे अनेक सामाजिक मुद्दों के लिए हमेशा मानवमात्र कल्याण के लिए लड़ने वाले समाजसेवी व वर्ल्ड कैसिल ऑफ आर्य समाज के प्रधान स्वामी अग्निवेश पर तथ्यांकित संगठन के युवाओं द्वारा हमला करना अमानवीय है। अर्ध समाज इस घटना को कड़ी भर्त्सना व घोर निंदा करता है। आर्य समाज व आर्य वीर दल जोधपुर के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के

माध्यम से इस घटना की न्यायिक जांच करने की मांग की है। एक प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्ट्रेट परिसर के भीतर जाकर जिला कलेक्टर रवि कुमार सुरपुर के मार्फत राष्ट्रपति को भेजा गया। इस अवसर पर आर्य वीर दल जोधपुर के अध्यक्ष हरिसिंह आर्य, संघालक उमेशसिंह आर्य, अधिकारता संवरलाल आर्य, नारायण सिंह सर, वीरानेर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति गंगाराम जाखड़, वरिष्ठ वकील सुनील पतिखर सहित विभिन्न संगठन के गणमान्य नागरिक व युवावर्ग मौजूद थे।

स्वामी अग्निवेश के बहाने राहुल ने मोदी पर निशाना साधा

नई दिल्ली। झारखंड में एक समूह द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता स्वामी अग्निवेश पर हमले के एक दिन बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर अग्रत्यक्त रूप से हमला बोला है। राहुल ने रविवार से पूछा कि मैं पूणा फैलाता हूं और कमजोरों को कुचल देता हूं, बताने मैं कौन हूं? राहुल ने ट्विटर पर झारखंड के पाकूड में स्वामी अग्निवेश पर हमले के वीडियो को साझा करते हुए लिखा, मैं चाहूँ मैं खड़े सबसे शक्तिशाली के सामने झुक जाता हूँ। एक व्यक्ति की ताकत और सत्ता ही मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मैं सत्ता को बनाए रखने के लिए पूजा और भग्न का उपयोग करता हूँ। उन्होंने लिखा, मैं सबसे कमजोर लोगों को तलाश करता हूँ और उन्हें कुचल देता हूँ। मैं सभी प्रणियों को उनकी उपेक्षा के आधार पर तब तक देता हूँ। मैं कौन हूँ?



मौलतलब है कि स्वामी अग्निवेश (78) पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेयूएम) कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम का नारा बोलते हुए हमला किया था। यह घटना मंगलवार को तब हुई जब अग्निवेश लिट्टीपाड़ा के 195वीं दार्जिल महात्माव में भाग लेने के लिए होटल से निकलकर कार की ओर बढ़ रहे थे, तभी समूह उन पर दूट पड़ा।



शिवगंज में आर्य समाज के लोगों ने स्वामी अग्निवेश पर हमला की निंदा कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग का प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देने पहुंचे। फोटो-राष्ट्रपुट

आर्य समाज के प्रधान दलपतसिंह जेरेट मोदी के नाम ज्ञापन सौंपकर आर्य ने कहा कि अपराधियों को तुरंत गिरफ्तारी कर कठोर दंड दिया जाए। इस दौरान आर्य वीर दल के संगठन मंत्री कौतिलाल आर्य, शाखा नायक कर्नैलाल मिश्रा, गणपत आर्य, छगन नाथ व शंकर लाल मीणा सहित कई जने उपस्थित थे। शिवगंज संवाददाता के अनुसार : आर्य समाज व आर्य वीर दल शिवगंज ने वरिष्ठ लिपिक चंपलाल खंडेलवाल को उपखंड अधिकारी प्रकाशचन्द्र सुधार, भूलाराम सुधार, राकेश पारासर, प्रदीप, सुरेश, राहुल आर्य, अरुण आर्य, कमलेश आर्य, कमलेश शर्मा, देवीलाल सैन, सागर दत्ता, संसार गर्ग, ओमप्रकाश आर्य, दिलीप आर्य व हितेश माली सहित कई आर्य समाज के लोग मौजूद थे। झारखंड के पाकूड में हरियाणा के पूर्व शिक्षामंत्री, समाज सेवी व बंधुआ मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी अग्निवेश पर हमले की बालोतरा में आर्य वीर दल व आर्य समाज ने कठोर शब्दों में निंदा की।

प्रो० विठ्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)

सम्पादक : प्रो० विठ्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.0-9849560691, 0-9013251500

ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com

वेबसाइट : www.vedicaryasamaj.com

वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।